

दानियेल की पुस्तक - संख्या अठासी

झूठी पश्चात वर्षा का पर्दाफाश: 11 सितंबर, 2001 से भविष्यसूचक यात्रा

Jeff Pippenger

2024-02-21

स्वर्गदूत के उतरते ही जो परीक्षा-प्रक्रिया आरंभ होती है, वह इस परीक्षा द्वारा प्रदर्शित होती है कि क्या स्वर्गदूत के हाथ से पुस्तक लेकर उसे खाना है या नहीं। जिन्होंने वह संदेश खाना चुना, वे फिर एक निराशा के लिए नियत थे, जबकि जिन्होंने खाने से इन्कार किया, वह समूह पीछे रह गया। जो छोटी पुस्तक खाई जानी थी, वह उस संदेश के "ज्ञान की वृद्धि" का प्रतिनिधित्व करती थी, जिसकी मुहर सबसे पहले "अन्त का समय" पर या तो 1798 में या 1989 में खोली गई थी, और बाद में उसे ऐसे संदेश के रूप में औपचारिक रूप दिया गया जो उस समय जीवित पीढ़ी को बढ़े हुए ज्ञान के प्रकाश के प्रति जवाबदेह ठहराता था। दोनों ही इतिहासों में, जैसे ही इस्लाम की भविष्यवाणी पूरी हुई, तब स्वर्गदूत के हाथ में खाने को दिया गया संदेश या तो स्वीकार कर लिया गया या अस्वीकार कर दिया गया। यदि पुस्तक द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया संदेश अस्वीकार कर दिया जाता है, तो जो ऐसा करते हैं, और फिर भी स्वयं को परमेश्वर के चुने हुए होने के अपने दावे को बनाए रखना चाहते हैं, वे एक नकली अंतिम वर्षा संदेश उत्पन्न करने के लिए विवश हो जाते हैं।

11 सितंबर, 2001 को एडवेंटिज़्म की पीढ़ियों के पुराने विद्रोह फिर से परीक्षा के विषय बना दिए गए। हबक्कूक के दूसरे अध्याय में उस भविष्यसूचक इतिहास में होने वाले एक विवाद की पहचान की गई है, जो वहाँ दर्शाया गया है, और जो दस कुंवारियों के दृष्टान्त की समानांतर भविष्यसूचक रेखा है। जब पहरेदार ने दस कुंवारियों के दृष्टान्त के इतिहास में पूछा कि वह क्या उत्तर दे, तब उसे यह आज्ञा दी गई: 'दर्शन को लिख, और पट्टिकाओं पर उसे स्पष्ट कर दे।' मिलरपंथी इतिहास के पहरेदारों ने 1842 में 1843 का चार्ट तैयार किया, और उसका बनना एक मार्गचिह्न बन गया। वह हबक्कूक अध्याय दो का 'दर्शन' ही था, जिसे पट्टिकाओं पर स्पष्ट किया गया था, जो अंत में बोलना था।

11 सितंबर, 2001 के थोड़े ही समय बाद, जिन्होंने तीसरे 'हाय' में इस्लाम की गतिविधि को पहचाना, वे यिर्मयाह के 'पुराने मार्गों' पर लौटने और उनमें चलने के लिए प्रेरित हुए। उन 'पुराने मार्गों' ने यह स्पष्ट किया कि प्रकाशितवाक्य अध्याय आठ, पद तेरह के तीन 'हाय' इस्लाम की भविष्यवाणी संबंधी भूमिका का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके तुरंत बाद, Future for America ने मिलराइट्स के समांतर इतिहास के ठीक उसी चरण पर हबक्कूक अध्याय दो के दोनों चार्टों का पुनरुत्पादन शुरू किया। इन दोनों चार्टों को एक मार्गचिह्न के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसका प्रतिनिधित्व 1842 में 1843 के चार्ट के निर्माण द्वारा किया गया था।

"मई, 1842 में, [मैसाचुसेट्स] के बॉस्टन में एक सामान्य सम्मेलन आयोजित किया गया। इस बैठक के आरंभ में, हेवरहिल के भाई चार्ल्स फिच और अपोलोस हेल ने दानियेल और यूहन्ना की चित्रात्मक भविष्यवाणियाँ प्रस्तुत कीं, जिन्हें उन्होंने भविष्यसूचक संख्याओं सहित कपड़े पर इस प्रकार चित्रित किया था कि उनकी पूर्ति प्रदर्शित होती थी। भाई फिच ने सम्मेलन के सामने अपने चार्ट से समझाते हुए कहा कि इन भविष्यवाणियों का अध्ययन करते समय उनके मन में विचार आया कि यदि वे यहाँ प्रस्तुत की गई जैसी कोई वस्तु तैयार कर सकें तो विषय सरल हो जाएगा और उसे श्रोताओं के सामने प्रस्तुत करना उनके लिए आसान हो जाएगा। यह हमारे मार्ग में और अधिक प्रकाश था। इन भाइयों ने वही किया था, जो प्रभु ने 2,468 वर्ष पहले हबक्कूक को उसके दर्शन में दिखाया था, यह कहते हुए, 'दर्शन को लिख, और उसे पट्टिकाओं पर स्पष्ट कर दे, ताकि जो पढ़ें वह दौड़ते हुए भी पढ़ सकें। क्योंकि यह दर्शन अभी नियत समय के लिए है।' हबक्कूक 2:2."

"विषय पर कुछ चर्चा के बाद, यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस जैसे तीन सौ चार्टों का लिथोग्राफ कराया जाए, और यह शीघ्र ही कर दिया गया। उन्हें 'the '43 charts.' कहा गया। यह एक बहुत महत्वपूर्ण सम्मेलन था।" जोसेफ बेट्स की आत्मकथा, 263.

“जब ‘मूल विश्वास’ पर स्थिर रहते हुए द्वितीय आगमन के व्याख्याताओं और पत्रों ने एकमत होकर यह साक्ष्य दिया कि चार्ट का प्रकाशन हबक्कूक 2:2, 3 की पूर्ति था। यदि चार्ट भविष्यवाणी का एक विषय था (और जो इसका इन्कार करते हैं वे मूल विश्वास को छोड़ देते हैं), तो इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि ईसा-पूर्व 457 वह वर्ष था जिससे 2300 दिनों की गणना की जानी थी। यह आवश्यक था कि 1843 प्रथम प्रकाशित समय हो, ताकि ‘दर्शन’ ‘ठहरे,’ अथवा ठहरने का एक समय हो, जिसमें कुँवारियों का दल समय के इस महान विषय पर ऊँचे और सोए रहे, ठीक इससे पहले कि उन्हें मध्यरात्रि के क्रंदन द्वारा जगाया जाए।” जेम्स व्हाइट, *Second Advent Review and Sabbath Herald*, Volume I, Number 2.

"अब हमारा इतिहास बताता है कि विलियम मिलर जिन कालानुक्रमिक चार्टों से शिक्षा दे रहे थे, उन्हीं से सैकड़ों लोग भी शिक्षा दे रहे थे, सब एक ही तरह के। तब संदेश में एकता थी; सभी का विषय एक ही था: प्रभु यीशु का एक निश्चित समय पर, 1844 में, आगमन।" Joseph Bates, *Early SDA Pamphlets*, 17.

11 सितंबर, 2001 के तुरंत बाद के समय में 1843 और 1850 के चार्टों का पुनर्मुद्रण, हबक्कूक अध्याय दो की उतनी ही पूर्ति था, जितनी 1842 में 1843 के चार्ट का प्रकाशन था। तालिकाओं का निर्माण हबक्कूक अध्याय दो के वृत्तांत का एक हिस्सा है, और यह होना ही था। 11 सितंबर, 2001 को, 1863 का विद्रोह फिर से उन लाओदीकिया के एडवेंटिस्टों द्वारा दोहराया गया जिन्होंने यिर्मयाह के 'पुराने मार्ग' पर लौटने से इंकार किया।

“शत्रु हमारे भाइयों और बहनों के मन को उन लोगों को तैयार करने के कार्य से विमुख करने का प्रयत्न कर रहा है, जो इन अंतिम दिनों में स्थिर खड़े रह सकें। उसकी कुतर्कपूर्ण युक्तियाँ इस प्रकार रची गई हैं कि मनो को इस समय के संकटों और कर्तव्यों से दूर ले जाएँ। वे उस ज्योति को बहुत ही अल्प मूल्य की ठहराते हैं, जिसे मसीह अपने लोगों के लिए यूहन्ना को देने हेतु स्वर्ग से लाए। वे शिक्षा देते हैं कि जो दृश्य अब हमारे सामने आने वाले हैं, वे विशेष ध्यान पाने के लिए पर्याप्त महत्त्व नहीं रखते। वे स्वर्गीय उद्गम वाले सत्य को निष्प्रभावी कर देते हैं, और परमेश्वर की प्रजा को उनके अतीत के अनुभव से वंचित करके उसके स्थान पर एक मिथ्या विज्ञान दे देते हैं। ‘यहोवा यों कहता है: मार्गों पर खड़े होकर देखो, और प्राचीन पथों के विषय में पूछो, कि उत्तम मार्ग कौन सा है, और उसी में चलो।’ [यिर्मयाह 6:16.]”

"कोई भी हमारी आस्था की नींवों को उखाड़ फेंकने का प्रयास न करे—वे नींवें जो हमारे कार्य के प्रारंभ में, वचन का प्रार्थनापूर्ण अध्ययन और प्रकाशना के द्वारा डाली गई थीं। इन नींवों पर हम पचास से अधिक वर्षों से निर्माण करते आ रहे हैं। लोग यह मान सकते हैं कि उन्हें कोई नया मार्ग मिल गया है, कि वे पहले से डाली गई नींव से भी अधिक मजबूत नींव डाल सकते हैं; पर यह एक बड़ा धोखा है। ‘जो नींव डाली जा चुकी है, उसके सिवाय कोई दूसरी नींव कोई मनुष्य नहीं डाल सकता।’ [1 कुरिन्थियों 3:11.] अतीत में, अनेक लोगों ने नई आस्था गढ़ने, नए सिद्धांत स्थापित करने का बीड़ा उठाया; पर उनकी इमारत कितने समय तक खड़ी रही? वह शीघ्र ही गिर गई; क्योंकि वह चट्टान पर स्थापित नहीं थी।" Testimonies, खंड 8, 296, 297.

यिर्मयाह यह बताता है कि 'पुराने मार्गों' पर चलना 'विश्राम' पाना है, और यह 'विश्राम' ही 'अंतिम वर्षा' है, जो तब शुरू हुई जब 11 सितम्बर, 2001 को राष्ट्र क्रोधित हुए और न्यूयॉर्क सिटी की विशाल इमारतें ढह गईं। जिन्होंने तब उस संदेश को ग्रहण किया, वे हबक्कूक के वे प्रहरी बन गए जिन्हें 'दर्शन लिखो, और उसे स्पष्ट करो' का आदेश था। यिर्मयाह इन्हीं प्रहरियों की पहचान 'विश्राम' के समय में करता है, जो कि 'अंतिम वर्षा' है।

यहोवा यों कहता है, मार्गों पर खड़े होकर देखो, और प्राचीन पथों के विषय में पूछो कि उत्तम मार्ग कहाँ है, और उसी में चलो; तब तुम अपने प्राणों के लिये विश्राम पाओगे। परन्तु उन्होंने कहा, हम उसमें न चलेंगे। फिर मैंने तुम्हारे ऊपर पहरेवाले ठहराए, यह कहते हुए, नरसिंगे के शब्द पर ध्यान दो। परन्तु उन्होंने कहा, हम ध्यान न देंगे। यिर्मयाह 6:16, 17.

वह तुरही जिसे उन्हें बजाना था, मिलराइट इतिहास की दूसरी विपत्ति की छठी तुरही है, और अन्त के दिनों में वह तीसरी विपत्ति की सातवीं तुरही है। हबक्कूक के प्रहरी, जो यिर्मयाह के प्रहरी हैं, एक चेतावनी का संदेश सुनाते हैं,

जिसे 1888 के विद्रोह में अस्वीकार कर दिया गया था। 1888 में अस्वीकार की गई छठी तुरही, लाओदीकिया के लिए दिया गया संदेश थी।

"A. T. Jones और E. J. Waggoner द्वारा हमें दिया गया संदेश लाओदीकिया की कलीसिया के लिए परमेश्वर का संदेश है, और हाथ हर उस व्यक्ति पर जो सत्य को मानने का दावा करता है, फिर भी दूसरों की ओर परमेश्वर-प्रदत्त किरणों का परावर्तन नहीं करता।" The 1888 Materials, 1053.

1888 में 'सातवीं तुरही' का संदेश सबसे पहले 1856 में लाओदीकिया को सुनाया गया था, और फिर लाओदीकिया के संदेश को 'सात समय' के बढ़ते हुए प्रकाश के संदर्भ में रखा गया। 11 सितंबर, 2001 को यिर्मयाह के पुराने मार्गों पर लौटने और उन पर चलने के आह्वान—ताकि 'अंतिम वर्षा' का संदेश प्राप्त किया जा सके—में 'सातवीं तुरही' की चेतावनी का संदेश भी सम्मिलित था, जिसे लाओदीकिया के लिए संदेश के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, और साथ ही 'सात समय', जो नीवों का प्रतीक है।

भविष्यवाणी द्वारा चिन्हित वह "झूठ", जो पौलुस की रचनाओं में वर्णित प्रबल भ्रम उत्पन्न करता है, भविष्यद्वक्त्री की मृत्यु के सोलह वर्ष बाद, 1931 में लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म की तीसरी पीढ़ी में स्थापित किया गया। तीसरी पीढ़ी में आया यह "झूठ" भविष्यवाणी के अनुसार उस काल में स्थित है जिसे "तम्मूज़ के लिए रोती हुई स्त्रियाँ" के रूप में दर्शाया गया है, और इसलिए यह झूठे उत्तरवृष्टि संदेश से संबद्ध है।

वह "झूठ" किस प्रकार फैलाया गया, इसके विवरण समझे जाने चाहिए, और अन्तकालीन भविष्यवाणी में उस "झूठ" की भविष्यसूचक भूमिका भी समझी जानी चाहिए। अन्तिम वर्षा के समय, जो कि एक लाख चवालीस हज़ार पर मुहर लगाए जाने का समय है, यरूशलेम पर शासन करने वाले उपहास करने वाले पुरुषों ने एडवेंटवाद की तीसरी पीढ़ी में एक झूठा अन्तिम वर्षा संदेश गढ़ा, जैसा कि यहजेकेल अध्याय आठ में "तम्मूज़ के लिए रोती हुई स्त्रियाँ" द्वारा दर्शाया गया है। उनका झूठा अन्तिम वर्षा संदेश यहजेकेल द्वारा एक झूठी नींव, सुरक्षा की झूठी दीवार, और झूठे शान्ति और सुरक्षा के संदेश के तौर पर भी दर्शाया गया है।

क्या तुमने व्यर्थ दर्शन नहीं देखा, और क्या तुमने झूठी भविष्यवाणी नहीं कही, जबकि तुम कहते हो, 'प्रभु ने यह कहा है'; परन्तु मैंने तो नहीं कहा? इसलिए प्रभु परमेश्वर यों कहता है: क्योंकि तुमने व्यर्थ बातें की हैं और झूठे दर्शन देखे हैं, इसलिए, देखो, मैं तुम्हारे विरुद्ध हूँ, प्रभु परमेश्वर की यह वाणी है। और जो भविष्यद्वक्ता व्यर्थ दर्शन देखते और झूठी भविष्यवाणी करते हैं, उन पर मेरा हाथ होगा; वे मेरी प्रजा की सभा में न होंगे, न इस्राएल के घराने के लेख में लिखे जाएँगे, और न इस्राएल के देश में प्रवेश करेंगे; और तुम जानोगे कि मैं प्रभु परमेश्वर हूँ। क्योंकि उन्होंने मेरी प्रजा को बहकाया है, यह कहते हुए, 'शान्ति!' जबकि शान्ति थी ही नहीं; किसी ने एक दीवार खड़ी की, और देखो, दूसरों ने उसे कच्चे गारे से पोत दिया। उनसे जो उसे कच्चे गारे से पोतते हैं, कह दो कि वह गिर जाएगी: मूसलाधार वर्षा होगी; और हे बड़े-बड़े ओले, तुम गिरोगे; और प्रचण्ड आँधी उसे फाड़ डालेगी। देखो, जब वह दीवार गिर पड़ेगी, तब क्या तुमसे यह न कहा जाएगा, 'वह लेपन कहाँ है जिससे तुमने उसे पोता था?' इसलिए प्रभु परमेश्वर यों कहता है: मैं अपने क्रोध में प्रचण्ड आँधी से उसे फाड़ दूँगा; और अपने रोष में मूसलाधार वर्षा होगी, और अपने क्रोध में बड़े-बड़े ओले पड़ेंगे, ताकि उसे समाप्त कर दें। इस प्रकार मैं उस दीवार को, जिसे तुमने कच्चे गारे से पोता है, ढहा दूँगा, और उसे भूमि तक गिरा दूँगा, ताकि उसकी नींव प्रकट हो जाए; और वह गिर जाएगी, और तुम उसके बीच में विनष्ट हो जाओगे; और तुम जानोगे कि मैं प्रभु हूँ। इस प्रकार मैं उस दीवार पर और उन पर जिन्होंने उसे कच्चे गारे से पोता है, अपना क्रोध पूरा करूँगा, और तुमसे कहूँगा, 'वह दीवार अब नहीं रही, और न वे जो उसे पोतते थे'; अर्थात् इस्राएल के वे भविष्यद्वक्ता जो यरूशलेम के विषय में भविष्यवाणी करते हैं, और उसके लिए शान्ति के दर्शन देखते हैं, जबकि शान्ति है ही नहीं, प्रभु परमेश्वर की यह वाणी है। यहजेकेल 13:7-16.

यशायाह के अध्याय अट्ठाईस और उनतीस में, यरूशलेम के उपहास करने वाले लोग जिस असत्य और झूठ की आड़ लेते हैं, उसका अंततः "उमड़ती हुई विपत्ति" द्वारा न्याय होता है और वह नष्ट कर दिया जाता है।

मैं न्याय को नाप की डोरी पर, और धर्म को सीसे की डोरी पर ठहराऊँगा; और ओले झूठ की शरण को बहा ले जाएँगे, और जल छिपने के स्थान पर उमड़ पड़ेंगे। और तुम्हारा मृत्यु के साथ किया हुआ वाचा निरस्त कर दिया जाएगा, और अधोलोक के साथ किया हुआ समझौता ठहर न सकेगा; जब वह उमड़ती हुई विपत्ति होकर निकलेगी, तब तुम उसके द्वारा रौंदे जाओगे। यशायाह 28:17, 18.

यशायाह का "उफनता प्रकोप" यहजेकेल की "उफनती वर्षा" ही है, जो उन पर आती है जिन्होंने "झूठी भविष्यवाणी" की है—एक "निरर्थक दर्शन" प्रस्तुत करके और यह दावा करके कि "प्रभु यों कहता है," जबकि प्रभु ने "कहा ही नहीं था।" वह "झूठ" जिसके नीचे प्राचीन पुरुष छिपते हैं, उसे ऐसी बात के रूप में दिखाया गया है जिसे वे प्रभु के कहे हुए के रूप में पेश करते हैं; इसलिए वह परमेश्वर के वचन के विषय में एक "झूठ" है। या तो उन्होंने परमेश्वर के वचन के किसी सिद्धान्त को गलती ठहराया है, या उन्होंने गलत ढंग से यह दावा किया है कि बाइबल के किसी सिद्धान्त के विषय में उनकी समझ को स्वयं परमेश्वर ने निर्देशित किया (कि "परमेश्वर ने कहा")।

1931 में सामने आया "झूठ" यह दावा था कि सिस्टर व्हाइट ने दानिय्येल की पुस्तक में "the daily" के बारे में गलत दृष्टिकोण का समर्थन किया था। यह गलत दृष्टिकोण कि "the daily" मसीह की पवित्रस्थान सेवकाई का प्रतिनिधित्व करता है, एक "झूठ" पर आधारित था, जो यह दावा करता था कि 1910 में एलेन व्हाइट ने ए. जी. डैनियल्स को बताया था कि "the daily" को मसीह की पवित्रस्थान सेवकाई के रूप में समझने के बारे में उनका और प्रेस्कॉट का मत वास्तव में सही है, जबकि इसके विपरीत उनकी स्पष्ट लिखित बातें मौजूद थीं।

'the daily' के बारे में जो गलत धारणा तब (1931 में) लाओदीकियाई एडवेंटवाद के भीतर स्थापित की गई, वही वह धर्मशास्त्रीय आधार बन गई, जिसका उपयोग एक ऐसा संदेश खड़ा करने में किया गया जिसे यहजेकेल 'शांति और सुरक्षा' के रूप में वर्णित करता है। उस झूठे आधार को बनाए रखने के लिए जो विभिन्न तर्क प्रयुक्त होते हैं, वे वही तरह-तरह के नकली सिक्के और रत्न हैं जिन्हें मिलर ने अपने स्वप्न में देखा था। स्वप्न के अंत तक उसके मूल रत्न पूरी तरह नकली चीजों और कचरे से ढक जाते हैं; और वह कचरा तथा नकली रत्न और सिक्के उस संदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो इस आधारभूत भूल पर आधारित था कि 'the daily' मसीह की पवित्रस्थान सेवकाई का प्रतिनिधित्व करता है।

यहजेकेल के अंश में कूड़ा-कचरा और नकली रत्नों को एक "दीवार" के रूप में दर्शाया गया है, जो ऐसे सीमेंट से बनाई गई है जो इतना कमजोर है कि "तूफानी हवा" या "उमड़ती बरसात" के दबाव में टिक नहीं सकती।

यहूदा का वह अवज्ञाकारी नबी जिसने यारोबाम को फटकारा था, अंततः एक 'गधा' और एक 'सिंह' के बीच मर गया। सिंह बाबुल का प्रतीक है और गधा इस्लाम का प्रतीक है। वे दो सिद्धान्त, जिन्हें लाओदीकियन एडवेंटवाद देख नहीं पाता और जो उस अवज्ञाकारी नबी की मृत्यु द्वारा दर्शाए गए हैं, ये हैं: पोप-सत्ता का संदेश (सिंह), और इस्लाम की तीसरी 'हाय' का संदेश (गधा)।

यहजेकेल का "तूफानी पवन" यशायाह के "रोक दिए गए कठोर पवन" का प्रतीक है, जिसका उल्लेख अध्याय सत्ताईस में "पूर्वी पवन के दिन" के रूप में है। यहजेकेल का "तूफानी पवन" प्रकाशितवाक्य के अध्याय सात के "चार पवन" भी हैं, जिन्हें तब तक रोके रखा गया है जब तक परमेश्वर के दासों पर मुहर न लग जाए। यहजेकेल का "तूफानी पवन" अध्याय सैंतीस में "चार पवन" से आया उसका संदेश भी है, जो मरी हुई सूखी हड्डियों को जीवित कर एक शक्तिशाली सेना बना देता है। यहजेकेल का वही "तूफानी पवन", जो "कच्चे गारे से बनी दीवार" को गिरा देता है, तीसरे "हाय" की अंतिम वर्षा का संदेश है।

यहजेकेल की "मूसलाधार वर्षा" पोपतंत्र का प्रतीक है, और अधिक विशिष्ट रूप से यह संयुक्त राज्य अमेरिका में शीघ्र आने वाले रविवार के कानून से आरम्भ होने वाले रविवार-कानून संकट के काल का प्रतीक है। यहूदा का वह अवज्ञाकारी भविष्यद्वक्ता, जो गधे और सिंह के बीच मरा, लाओदीकियाई एडवेंटवाद की उस मृत्यु का प्रतिनिधित्व करता है जो 11 सितम्बर, 2001 को गधे (तीसरी विपत्ति) के आगमन से लेकर शीघ्र आने वाले रविवार के कानून (सिंह) के

बीच घटित होती है। लौदीकियाई एडवेंटवाद की मृत्यु उन एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी के दौरान होती है, जो तब आरम्भ हुई जब राष्ट्र क्रोधित तो हुए, परंतु 11 सितम्बर, 2001 को रोके रखे गए, और जो शीघ्र आने वाले रविवार के कानून पर समाप्त होती है। उनकी मृत्यु, जैसा कि उस अवज्ञाकारी भविष्यद्वक्ता द्वारा दर्शाया गया, इसलिए होती है क्योंकि वे धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद की पद्धति में लौट आए, यद्यपि उन्हें स्पष्ट रूप से यह बताया गया था कि कभी भी "ठट्टा करने वालों की सभा" में वापस न लौटें।

उनकी मृत्यु एक लाख चवालीस हजार पर मुहर लगाने के इतिहास में घटित होती है। जैसे ही परमेश्वर की प्रजा पर मुहर लग जाती है, नाश करने वाले स्वर्गदूत अपना काम आरंभ कर देते हैं। 11 सितंबर, 2001 से लेकर जल्द आने वाले रविवार के कानून तक, जीवितों का न्याय परमेश्वर की कलीसिया में संपन्न होता है, क्योंकि न्याय यरूशलेम से आरंभ होता है, और वह उन प्राचीन पुरुषों से आरंभ होता है जो लोगों के रक्षक होने चाहिए थे, परंतु जिन्होंने चार पीढ़ियों के दौरान अपनी जिम्मेदारियाँ त्याग दी थीं। उस अवधि में जिन पर मुहर लगती है, वे वह ध्वज हैं जो जातियों के सामने ऊंचा किया जाता है। उन पर जल्द आने वाले रविवार के कानून से पहले मुहर लगाई जाती है, क्योंकि परमेश्वर की अन्य भेड़-बाड़ को चेतावनी देने का एकमात्र तरीका यही है कि रविवार कानून के संकट में परमेश्वर की मुहर वाले स्त्री-पुरुष दिखाई दें।

“पवित्र आत्मा का कार्य जगत को पाप, धर्म और न्याय के विषय में दोषी ठहराना है। जगत को केवल तभी चेतावनी दी जा सकती है जब वह उन लोगों को, जो सत्य पर विश्वास करते हैं, सत्य के द्वारा पवित्र किए हुए, उच्च और पवित्र सिद्धांतों के अनुसार आचरण करते हुए, और परम उच्च, उदात्त अर्थ में उन लोगों के बीच स्पष्ट विभाजन-रेखा प्रदर्शित करते हुए देखे, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करते हैं, और उन लोगों के बीच, जो उन्हें अपने पैरों तले रौंदते हैं। आत्मा का पवित्रीकरण उन लोगों के बीच के भेद को चिह्नित करता है जिन पर परमेश्वर की मुहर है, और उन लोगों के बीच, जो एक मिथ्या विश्राम-दिन मानते हैं। जब परीक्षा आएगी, तब यह स्पष्ट रूप से दिखाया जाएगा कि पशु का चिन्ह क्या है। वह रविवार का पालन करना है। जो लोग सत्य को सुन लेने के बाद भी इस दिन को पवित्र मानते रहते हैं, वे पाप के उस मनुष्य की छाप धारण करते हैं, जिसने समयों और व्यवस्था को बदलने का विचार किया था।” Bible Training School, December 1, 1903.

लाओदीकियन एडवेंटिज़्म की मृत्यु अंतिम वर्षा के इतिहास के दौरान पूर्ण होती है, जो 11 सितंबर, 2001 को फुहार रूप में शुरू हुई थी, और शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय अपरिमित रूप से उंडेली जाएगी, जब परमेश्वर एक ऐसी प्रजा को, जिसे अनन्तकाल के लिए मुहरबंद किया गया है, स्थापित कर चुका होगा और फिर उसे ध्वज के समान ऊंचा उठाएगा।

उस काल में, लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म के वे लोग जो पशु का चिन्ह पाने की तैयारी कर रहे हैं और उसे प्राप्त करेंगे, यहजेकेल के आठवें अध्याय में सूर्य को प्रणाम करते हुए पच्चीस पुरुषों द्वारा दर्शाए गए हैं। वे वे हैं जिन्होंने यहजेकेल का झूठा "शान्ति और सुरक्षा" संदेश स्वीकार किया है, जो उस इतिहास में सच्चे पहरदारों द्वारा प्रचारित किए जा रहे सच्चे पश्चात्-वर्षा संदेश का एक नकली प्रतिरूप प्रस्तुत करता है। उस झूठे पश्चात्-वर्षा संदेश की नींव यह पहचान है कि दानिय्येल की पुस्तक में "नित्य" मसीह का प्रतीक है, जबकि वास्तव में वह शैतान का प्रतीक है। वही झूठा आधारभूत विश्वास वह सिद्धान्त है जिसका उपयोग "यरूशलेम के लोगों पर शासन करने वाले उपहास करने वाले मनुष्य" अपनी बिना पक्के गारे की दीवार खड़ी करने के लिए करते हैं।

"the daily" को मसीह के प्रतीक के रूप में पहचानना ऐतिहासिक रूप से 1931 में एक "झूठ" के द्वारा स्थापित किया गया था। तब से नकली सिक्कों और जवाहरात की कच्ची "दीवार" खड़ी कर दी गई। वह "दीवार" तब गिरने के लिए नियत है जब धूल झाड़ने वाला व्यक्ति आएगा और अपने फर्श को पूरी तरह साफ़ करेगा। यह शुद्धिकरण उस भविष्यवाणी-संबंधी ऐतिहासिक काल में पूरा होता है, जो "तूफानी हवा" (11 सितंबर, 2001 का गधा) और "उमड़ती बौछारें" (शीघ्र आने वाले रविवार के कानून का सिंह) के बीच है। उस इतिहास में अवज्ञाकारी नबी को मार दिया जाता है और बेतएल के झूठे नबी की कब्र में दफनाया जाता है। बहन व्हाइट भविष्यवाणी की "दीवार" को परमेश्वर की व्यवस्था के रूप में पहचानती हैं।

यहाँ नबी उन लोगों का वर्णन करता है जो, ऐसे समय में जब सामान्य रूप से लोग सत्य और धर्म से भटक गए हों, परमेश्वर के राज्य की नींव बने सिद्धांतों को पुनर्स्थापित करने का प्रयत्न कर रहे हैं। वे परमेश्वर की व्यवस्था में किए गए भंग के मरम्मतकर्ता हैं—वह दीवार जिसे उसने अपने चुने हुएों की रक्षा के लिए उनके चारों ओर खड़ी की है; और जिसकी न्याय, सत्य और पवित्रता की आज्ञाओं का पालन ही उनकी चिरस्थायी सुरक्षा है।

स्पष्ट शब्दों में भविष्यवक्ता उस शेष प्रजा के विशेष कार्य को बताता है जो दीवार बनाती है। 'यदि तू सब्त के दिन अपना पांव रोक रखे, मेरे पवित्र दिन में अपनी मनमानी न करे; और सब्त को प्रसन्नता का दिन कहे, यहोवा के पवित्र दिन को आदरणीय माने; और उसका आदर करे, अपने मार्गों पर न चले, अपनी प्रसन्नता न खोजे, अपनी ही बातें न बोले: तब तू यहोवा में आनन्दित होगा; और मैं तुझे पृथ्वी की ऊँचाइयों पर सवारी कराऊंगा, और तेरे पिता याकूब की विरासत से तुझे पालूँगा; क्योंकि यहोवा के मुख ने यह कहा है।' यशायाह 58:13, 14। भविष्यवक्ताओं और राजाओं, 678.

एडवेंटाद की चौथी पीढ़ी की शुरुआत एक पुस्तक के प्रकाशन से चिह्नित है, जैसे कि तीसरी पीढ़ी की शुरुआत भी एक पुस्तक के प्रकाशन से हुई थी। तीसरी पीढ़ी W. W. Prescott की पुस्तक The Doctrine of Christ के प्रकाशन से शुरू हुई, और वह पीढ़ी Questions on Doctrine के प्रकाशन के साथ समाप्त हुई। The Doctrine of Christ ने ऐसा सुसमाचार प्रस्तुत किया जो जानबूझकर मिलराइट भविष्यवाणी संदेश से रहित था। Questions on Doctrine ने ऐसा सुसमाचार प्रस्तुत किया जिसने मसीह द्वारा संपन्न किए जाने वाले पवित्रीकरण के कार्य को नकार दिया। The Doctrine of Christ ने भविष्यवाणी के इतिहास की (chazon) दृष्टि का प्रकाश हटा दिया, और Questions on Doctrine ने मसीह के "appearance" की (Mareh) दृष्टि का प्रकाश हटा दिया।

उन दो पुस्तकों के बीच, "तम्मूज के लिए रोती स्त्रियाँ" द्वारा निरूपित झूठा "अंतिम वर्षा" संदेश विकसित हुआ। उसी इतिहास में "1931 का झूठ" को बढ़ावा दिया गया। वह तीसरी पीढ़ी (घृणितता) का प्रतिनिधित्व पर्गामुस की तीसरी कलीसिया के समझौते से भी होता है। तीसरी कलीसिया में समझौते का प्रतीक उन सांसारिक संस्थाओं से मान्यता पाने के कार्य की पहचान कराता है, जो धर्मशास्त्र और चिकित्सा के लिए नियम थोपती थीं। तीसरी पीढ़ी में ही सत्य के साथ समझौता पूरा हुआ, जिसमें भ्रष्ट पांडुलिपियों से अनूदित बाइबलों के उपयोग की शुरुआत और उस पर जोर देना शामिल था।

1957 में, Questions on Doctrine नामक पुस्तक ने सुसमाचार के मूल सत्य के प्रति आत्मसमर्पण का प्रतिनिधित्व किया। वह सत्य यह है कि यीशु हमें "पाप से" बचाने के लिए मरे, परंतु वे हमें "पाप में" बचाने के लिए नहीं मरे। कैथोलिक और धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंट यह शिक्षा कि मनुष्य परमेश्वर के वचन का आज्ञाकारी नहीं हो सकता, शैतान का शाश्वत तर्क है। मनुष्य परमेश्वर के वचन का आज्ञाकारी हो सकता है और होना भी चाहिए, भले ही शैतान यह कहे कि "तुम निश्चय ही न मरोगे।" यह पतित धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंट दृष्टि कि मनुष्य पाप पर विजय नहीं पा सकता, और इसलिए यीशु अपने दूसरे आगमन पर उन्हें किसी जादुई ढंग से आज्ञाकारी रोबोटों में बदल दे तब तक मनुष्य परमेश्वर की व्यवस्था के आज्ञाकारी नहीं हो सकते, Questions on Doctrine पुस्तक की शिक्षाओं में शामिल कर दी गई थी।

1957 में लाओदीकियाई एडवेंटाद की चौथी पीढ़ी आरम्भ हुई, और उसकी "बिना चुने से पुती दीवार" (व्यवस्था) स्थापित हो चुकी थी, इस प्रकार वह तर्क उपलब्ध हो गया जो एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी के समय के समापन पर पच्चीस प्राचीन पुरुषों को सूर्य के आगे झुकने की अनुमति देगा। वह "बिना चुने से पुती दीवार," जो यह विश्वास है कि परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करना असंभव है, तब बहा दी जाती है जब कलीसिया और राज्य के पृथक्करण की "दीवार" शीघ्र आने वाले रविवार के कानून में हटा दी जाती है। रविवार का कानून उमड़ती हुई वर्षा है, या जैसा यशायाह कहता है, वह उमड़ती हुई बाढ़ है; और वह बाढ़ संयुक्त राज्य अमेरिका में शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के साथ आरम्भ होती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून के समय शत्रु (पोप) “सैलाब की तरह” (उफनती विपत्ति) आ घुसता है, और तभी उसके विरुद्ध “ध्वज” उठाया जाता है। उसी समय वह “बिना गारे की दीवार” जिसे लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म ने “दैनिक” के गलत अनुप्रयोग पर खड़ा किया था, बहा दी जाती है।

उनके कर्मों के अनुसार, वैसे ही वह बदला देगा—अपने विरोधियों पर क्रोध, अपने शत्रुओं को प्रतिदान; द्वीपों तक को वह प्रतिदान देगा। तब वे पश्चिम से प्रभु के नाम का भय मानेंगे, और सूर्योदय के स्थान से उसकी महिमा का आदर करेंगे। जब शत्रु बाढ़ की तरह आएगा, तब प्रभु का आत्मा उसके विरुद्ध ध्वज उठाएगा। और उद्धारकर्ता सिंथोन में आएगा, और याकूब में जो अधर्म से फिरते हैं उनके पास—प्रभु की यह वाणी है। मेरे विषय में, उनके साथ मेरी वाचा यह है, प्रभु कहता है: जो मेरी आत्मा तुझ पर है, और जो मेरे वचन मैंने तेरे मुख में रखे हैं, वे न तो तेरे मुख से, न तेरी संतान के मुख से, न तेरी संतान की संतान के मुख से हटेंगे, अब से लेकर सदा तक—प्रभु का यही वचन है। उठ, चमक; क्योंकि तेरा प्रकाश आ गया है, और प्रभु की महिमा तेरे ऊपर उदय हुई है। क्योंकि देख, अंधकार पृथ्वी को ढक लेगा, और घोर अंधकार लोगों को; परन्तु तेरे ऊपर प्रभु उदय होगा, और उसकी महिमा तेरे ऊपर प्रकट होगी। और अन्यजातियाँ तेरे प्रकाश की ओर आएँगी, और राजा तेरे उदय की चमक की ओर। यशायाह 59:18-60:3.

जब परमेश्वर की महिमा उसकी प्रजा पर होती है, तब अन्यजातियाँ ज्योति की ओर आती हैं, और यह तब होता है जब शत्रु बाढ़ की तरह उमड़ पड़ता है। जब वह शत्रु आता है, तो परमेश्वर उसके विरुद्ध एक ध्वज (झंडा) खड़ा करता है। प्रभु की वह महिमा जो उन लोगों पर है जिनकी ओर अन्यजातियाँ आती हैं, वह उसका स्वभाव है, और उसका स्वभाव पाप नहीं करता। यह शांति और सुरक्षा का एक झूठा संदेश है जो सिखाता है कि पुरुष और स्त्रियाँ पाप पर विजय नहीं पा सकते। वह संदेश 'अंतिम वर्षा' का एक झूठा संदेश है, जो सच्चे अंतिम वर्षा संदेश के समय में सुनाया जाता है, जो 11 सितंबर, 2001 को आया। वह झूठा संदेश परमेश्वर की व्यवस्था के विषय में एक झूठा संदेश है, जो कि 'दीवार' है। वह झूठी शिक्षा 'Questions on Doctrine' नामक पुस्तक में प्रस्तुत है, जिसने लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म की चौथी और अंतिम पीढ़ी के आगमन को चिह्नित किया।

11 सितंबर, 2001 को, लाओदीकियाई एडवेंटिज़्म के चार विद्रोह अपने पितरों के पापों के साथ उस अंतिम पीढ़ी की परीक्षा लेने आ पहुँचे। उसी दिन परमेश्वर ने अपनी प्रजा को यिर्मयाह के 'पुराने मार्गों' पर लौटने का निर्देश दिया, ताकि वे 'मिलर के रत्नों' के रूप में प्रस्तुत आधारभूत संदेश को समझें और स्वीकार करें। यदि वे ऐसा करते, तो उन्हें 'पश्चात् की वर्षा' मिलती, जिसे यिर्मयाह ने 'विश्राम' कहा। पुराने मार्गों पर लौटने का यह आह्वान उसी परीक्षा की पुनरावृत्ति था जिसने 1863 के विद्रोह को जन्म दिया।

11 सितंबर, 2001 को, जो यशायाह का 'पूर्वी और प्रचण्ड पवन का दिन' है, 'दाख की बारी का गीत' उन लोगों द्वारा गाया जाना था, जो प्रकाशितवाक्य अध्याय चौदह, पद तीन में और अध्याय पंद्रह, पद तीन में मूसा और मेम्ने का गीत गाते हैं। वह गीत लाओदीकिया का संदेश है, जो यह पहचान कराता है कि पहले के चुने हुए लोगों को तब एक ओर किया जा रहा था, क्योंकि परमेश्वर तब अपनी दाख की बारी उन पुरुषों और स्त्रियों को देने की प्रक्रिया में थे जो उस दाख की बारी के अभिप्रेत फल लाएँगे। वह दाख-बारी का संदेश लाओदीकिया के नाम संदेश है, जो 1888 के विद्रोह के समय जोन्स और वैगनर द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

11 सितंबर, 2001 को अन्तिम वर्षा आरम्भ हुई, और हबक्कूक के दूसरे अध्याय की बहस में एक ऐसा वर्ग पहचाना जाता है जिसने दो पट्टिकाओं का संदेश प्रस्तुत किया, क्योंकि वे यिर्मयाह के पुराने मार्गों पर लौट आए थे और 'विश्राम और ताज़गी' प्राप्त कर रहे थे, जो यशायाह के अनुसार यह उन पर आता है जिनकी कार्य-पद्धति 'रेखा पर रेखा' है। जिस बहस में वे शामिल थे, वह एक झूठे अन्तिम वर्षा संदेश के विरोध में थी, जिसका प्रतीक 'तमूज़ के लिए रोती स्त्रियाँ' थीं, जो सोए हुए लाओदीकियाई लोगों को 'शांति और सुरक्षा' के संदेश से दिलासा देती थीं।

शांति और सुरक्षा का संदेश यह दावा करता है कि पुरुषों और स्त्रियों के लिए पाप न करना असंभव है, और इसलिए परमेश्वर केवल उनके पापों "में" ही उन्हें धर्मी ठहरा सकता है और ठहराएगा। उपहास करने वाले पुरुष दावा करते हैं

कि उनका शांति और सुरक्षा का संदेश वही सच्चा विश्वास द्वारा धर्मी ठहराए जाने का संदेश है जिसे Jones और Waggoner ने प्रस्तुत किया था, परन्तु यह उस सच्चाई को छोड़ देता है कि जिसे परमेश्वर धर्मी ठहराता है, उसे वह पवित्र भी करता है, क्योंकि परमेश्वर लोगों को उनके पापों में बचाने के लिए नहीं मरे, बल्कि उनके पापों से बचाने के लिए मरे।

11 सितंबर, 2001 ने एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी की अवधि की शुरुआत को चिह्नित किया, जो इस निष्कर्ष पर पहुँचती है कि एक वर्ग परमेश्वर की मुहर प्राप्त करता है—जिसका प्रतिनिधित्व उन लोगों द्वारा होता है जो कलीसिया और देश में हो रही घृणित बातों के कारण आहें भरते और रोते हैं—और दूसरा वर्ग, जिसने उस मंदिर की ओर पीठ कर ली है जहाँ तीसरे स्वर्गदूत का अंतिम कार्य पूरा किया जा रहा है, और वे सूर्य के आगे झुक रहे हैं। मिलराइटों का इतिहास तीसरे स्वर्गदूत के आंदोलन के इतिहास को दर्शाता है, और ऐसा करते हुए उसकी पराकाष्ठा अंतिम वर्ष के संदेश तथा उस अनुभव पर है जो वह उन में उत्पन्न करता है जो उसे ग्रहण करना चुनते हैं।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

पूर्वधारणाओं को त्यागने और इस सत्य को स्वीकार करने की अनिच्छा, मिनियापोलिस में भाइयों Waggoner और Jones के माध्यम से आए प्रभु के संदेश के विरुद्ध प्रकट हुए विरोध के बड़े हिस्से की जड़ में थी। उस विरोध को भड़काकर शैतान ने हमारे लोगों से, बहुत हद तक, पवित्र आत्मा की उस विशेष शक्ति को दूर रखने में सफलता पाई जिसे परमेश्वर उन्हें प्रदान करने के लिए लालायित था। शत्रु ने उन्हें उस दक्षता को प्राप्त करने से रोका जो सत्य को संसार तक पहुँचाने में उनकी हो सकती थी, जैसा कि प्रेरितों ने पेंतेकोस्त के दिन के बाद उसे घोषित किया था। वह प्रकाश जो अपनी महिमा से समस्त पृथ्वी को प्रकाशित करने वाला है, उसका विरोध किया गया, और हमारे ही भाइयों की कार्रवाई से वह बहुत अंश तक संसार से दूर रखा गया है। चुने हुए संदेश, पुस्तक 1, 235.